

कसिान दविस

भारत के पूरव प्रधानमंत्री चौधरी चरण सहि की जयंती (23 दसिंबर) को देश भर में 'कसिान दविस' या राषट्रीय कसिान दविस के रूड में मनाया जाता है ।

- यह दविस समाज में कसिानों के डोगदान और देश के समग्र आर्थक एवं सामाजक वकिस के महत्त्व को समझने के लयि नागरकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु मनाया जाता है ।
- सरकार का उद्देश्य कृषिपर वाद-ववाद और सेमिनार जैसी वभिनिन गतविधियों का आयोजन करके देश भर के कसिानों को प्रोत्साहति करना भी है ।

प्रमुख बदि

- चौधरी चरण सहि का जनम वर्ष 1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़लि के नूरपुर में हुआ था और वह 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे ।
- ग्रामीण और कृषि वकिस के समर्थक होने के नाते उन्होंने भारत में योजना के केंद्र में कृषि को रखने के लयि नरितर प्रयास कयि ।
- पूरे देश में कसिानों के उत्थान और कृषि के वकिस की दशा में उनके काम के लयि उन्हें 'चैपयिन ऑफ इंडियाज़ पीजेंट्स' उपनाम दयिा गया था ।
- उन्होंने साहूकारों से कसिानों को राहत देने के लयि ऋण मोचन वधियक 1939 के नरिमाण और उसे अंतमि रूड देने में अग्रणी भूमकिया नभियाई ।
- उन्होंने भूमि जोत अधनियिम, 1960 को लाने में महत्त्वपूर्ण भूमकिया नभियाई, जसिका उद्देश्य पूरे राज्य में भूमि जोत की सीमा को कम करना था ताककि इसे एक समान बनाया जा सके ।
- उन्होंने वर्ष 1967 में कॉन्ग्रेस छोड़ दी और अपनी स्वतंत्र पार्टी बनाई जसि भारतीय लोक दल के नाम से जाना जाता है ।
- उन्होंने दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूड में कार्य कयि । वे वर्ष 1979 में भारत के प्रधानमंत्री बने ।
- वह 'ज़मींदारी का उनमूलन', 'को-ऑपरेटवि फार्मगि एकसरेड', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'कसिान स्वामतिव या श्रमकों के लयि भूमि' तथा 'श्रमकों के वभिजन की रोकथाम' सहति 'प्रिवेशन ऑफ डविज़न ऑफ होल्डगिस् बलो अ सर्टेन मनिमिम' जैसी कई पुस्तकों और पुस्तकियाओं के लेखक थे ।

भारत में कृषि का महत्त्व

- भारत के लगभग आधे ग्रामीण परिवारों की कृषि में नगण्य हसिसेदारी है ।
- वर्ष 2019 के सचिुएशन असेसमेंट सर्वे (एसएस) के अनुसार, ग्रामीण भारत में 93.1 मलियन कृषक परिवार हैं ।
- एक कृषक परिवार को उस परिवार के रूड में परिभाषति कयिा गया है, जो 4,000 रुपए से अधिक के खेत या बागवानी फसलों, पशुधन, या अन्य नरिदषिट कृषि उत्पादों का उत्पादन करता है और उस परिवार का कोई एक सदस्य सर्वेक्षण से 365 दिनों पहले कृषि में स्व-नयिोजति हो ।

स्रोत: द हट्टि